>

Title: Need to give Central assistance to vessels manufacturers in Sant Kabir Nagar Parliamentary Constituency.

श्री भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी (संत कबीर नगर): सभापति जी, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। हमारे क्षेत्र में बखीरा नाम की जगह है जहाँ का बरतन बहुत ही मशहूर है। वहाँ के कारीगर इतने अच्छे थे कि मुरादाबाद से भी बढ़िया बरतन बनाते थे। आज उन कारीगरों को जो सरकारी सुविधा मिलनी चाहिए, उसके अभाव में वे अपनी अच्छी कला का प्रदर्शन नहीं कर पाते। उनको सरकार की तरफ से जो शीट मिलती है उस शीट को वे पीट-पीट कर पतला करते हैं और तब जाकर बरतन तैयार करते हैं। वहाँ का बरतन का उद्योग बड़ा मशहूर था। माननीय मंत्री जी यहाँ बैठे हैं, ये पडरौना के हैं। वहाँ किसी के यहाँ तिलक का समारोह होता था तो बखीरा का बरतन जाया करता था और तिलक में चढ़ाया जाता था। ...(व्यवधान) हाँ, ये पडरौना के राजा तो हैं ही, इसमें कोई दो राय नहीं हैं। ...(व्यवधान)

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह प्रार्थना करता हूँ कि सरकारी सहायता से उस डूबते उद्योग को बचाने के लिए, इस उद्योग से जुड़े लोगों को आर्थिक मदद देकर उनका स्तर उठाने का काम होना चाहिए।